देश के लिए.. अव्यवस्था के खिलाफ..

देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

जवाब दो!!! सरकार

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/us/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | सोमवार, 6 जुलाई 2020

जयपुर के पुरोहित जी के कटले में कब तक होते रहेंगे अग्निकांड?

पुरोहित जी के कटला में घटना

साड़ी सेन्टर में आग, 5 दमकलों ने आग बुझाई, फायरमैन भी झुलसा

जयपुर। पुरोहित के कटले में गुरुवार रात 2 बजे शॉर्ट सर्किट से साड़ी सेन्टर में आग लग गई। घाटगेट, बनीपार्क व 22 गोदाम फायर स्टेशन से पहुंची 5 दमकलों ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फायरमैन अमरदीप सिंह झुलस गया। सीएफओ जगदीश फुलवारी ने बताया कि रात 2 बजे पुरोहित जी कटला स्थित नीलगर साड़ी सेन्टर व क्लोथ स्टोर में भीषण आग लग गई। दरवाजा तोड़ने के दौरान लपटे लगने से अमरदीप के हाथ झुलस गए थे। दूसरी ओर, इधर शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे श्याम नगर इलाके न्यू सांगानेर रोड पर एक बेकरी स्टोर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

साभार:-दैनिक भास्कर में दिनांक 04/07/2020 को प्रकाशित खबर

लाखों रुपए के कपड़े जले, करीब चार घंटे में पाया काबू

पुरोहितजी कटला की दुकान में आग

रात होने से बड़ा हादसा टला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. पुरोहितजी के कटले में गुरुवार रात करीब एक बजे चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बनी एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई।

दमकल संकरी गली में घुस नहीं पाई। मजबूरन लंबा पाइप लगाना पड़ा और आधा दर्जन दमकलों ने करीब चार घंटे में आग पर काबू पाया। जब तक दुकानदार को लाखों का सामान जल गया। शुक्र था कि रात का वक्त था, न भीड़भाड़ थी और न ही दुकानें खुली थी। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। आग के कारण शुक्रवार को भी बाजार बंद रखा गया। बचाव कार्य के दौरान फायरमैन अमरदीप के हाथ झुलस गए, जिसका प्राथमिक उपचार करवाया गया। आग शॉर्टसर्किट के कारण लगना बताया।

आग बुझाने के बाद कपड़ों को सम्भालते व्यापारी।

साभार:-राज.पत्रिका में दिनांक 04/07/2020 को प्रकाशित खबर

02 जुलाई की रात को लगी आग

परकोटे में आग लगने की घटनाओं के लिहाज से सबसे संवेदनशील पुरोहितजी के कटले में एक बार फिर देर रात आग लगी वो तो गनीमत रही कि रात की वजह से भीड़भाड़ नहीं थी,इसके बावजूद फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में चार घंटे लग गए|इस कार्यवाही में एक फायरमेन के झुलसने के भी समाचार है|

भाग-1

विशेष रिपोर्ट

पहले भी हो चुके है भीषण अग्निकांड

पुरोहित जी के कटले में अग्निकांड की यह पहली घटना नहीं है,सालों से यहाँ पर लापरवाही के चलते अग्निकांड होते रहे है| जिनका हो हल्ला भी बहुत होता है परन्तु ढ़ाक के तीन पात, नगर निगम कि छुट-पुट कार्यवाहियों के बाद सबकुछ भूलकर आम जिन्दगी पुनः पटरी पर आ जाती है और अव्यवस्थायें आगामी अग्निकांडों को निमंत्रण देती रहती है|

संकड़ी गलियां,अवैध निर्माणों ने रोके फायर ब्रिगेड के रास्ते

पुरोहित जी के कटले में सैंकड़ो साड़ियों के बड़े बड़े शोरूम और होलसेलरों की कई दुकाने और गोदाम स्थित है|वस्तुतः यह जयपुर के पुराने बाजारों में शुमार है और सालाना लाखों ग्राहक यहाँ पर आते है जिससे यहाँ पर करोडो का धंधा होता है बावजूद इसके यहाँ पर मूलभूत और

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी

सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

आधुनिक सुविधाओं का भयंकर अभाव है|यहाँ पर सैंकड़ों तंग गलियां है जहाँ पर दो आदमी भी साथ नहीं चल सकते,कोड में खाज यह कि उनपर भी व्यापारियों ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण कर रखे है|जिससे दुर्घटना के वक्त आवश्यक मदद नहीं पहुच सकती|

दुकानों पर लगे टिन शेड बन सकते है दुर्घटना के समय धुंए से दम घुटने का कारण

यहाँ की अधिकांश दुकानों पर टिन शेड लगे हुए है जिसके चलते दुर्घटना के समय धुएं को निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाती जो दम घुटने का बड़ा कारण बन सकती है|पिछली सरकारों ने कटले को फ्री टू एयर करने कि कवायद शुरू की थी परन्तु कुछ एक को नोटिस देकर प्रशासन ने इतिश्री कर ली|

बिजली के झूलते तार,शार्ट सर्किट का कारण

यहाँ पर बिजली के खुले और झूलते तार अक्सर शार्ट सर्किट का कारण बनते है|कुछ समय पहले इन तारों को हटाने और उन्हें भूमिगत करने के लिए बिजली विभाग को निर्देश भी जारी किये गये थे परन्तु लालफीताशाही के चलते अभी तक इस योजना को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है|

रिक्शों और दुपहिया वाहनों से लग जाता है जाम

कहने को तो दिन में यहाँ पर रिक्शों और दुपहिया वाहनों का प्रवेश निषेध है परन्तु कानून के अंधे राज में सब चलता है|जिससे यहाँ पर जाम लगना आम बात है|यह लापरवाही दुर्घटना के समय भगदड़ का बड़ा कारण बन सकती है|

अधिकांश दुकानदारों के पास फायर फाईटिंग सिस्टम नहीं

कुछ साल पहले हुए अग्निकांड के बाद चेते, नगर निगम ने यहाँ के सभी दुकानदारों को फायर फाईटिंग सिस्टम लगाने के आदेश दिए थे जिस पर दो चार बार कार्यवाही भी हुई परन्तु उसके बाद अग्निशमन विभाग वापस गहरी नींद में सो गया|

फायर ब्रिगेड के पास नहीं संसाधन

इस अग्निकांड ने पुनः साबित कर दिया कि अग्निशमन विभाग के पास आग बुझाने के पर्याप्त साधन नहीं है|दमकले एक बार फिर तंग गलियों में नहीं घुस पायी और पानी के लिए लम्बा पाईप इस्तेमाल करना पड़ा|दमकल में प्रयुक्त मोटरसाईकिले शुरू में ही हांफ गयी क्यूंकि उनमे पानी लाने कि क्षमता ही कम होती है जिससे वह बड़ी आग बुझाने के समय जवाब दे जाती है|

ओवरहेड टेंक और फायर फाईटिंग सिस्टम लगाने की हो चुकी कवायद परन्तु सरकारे बदलते ही बंद हो जाता है काम

कटले में एक पुराना कुआ है जो कि अतिक्रमण का शिकार है कुछ समय पहले इसे अतिक्रमण मुक्त कर, यहाँ पर ओवरहेड टैंक बनाने और फायर फाईटिंग सिस्टम लगाने की कवायद की गयी|समाचारपत्रों के अनुसार कटले में फायर फाईटिंग सिस्टम और अन्य इंतजामातों के लिए DPR बनाने की चर्चाएँ भी हुई थी परन्तु आज दिन तक इस पर अमल नहीं किया जा सका है|जाहिर है, सरकारे बदलते ही प्राथमिकताएं भी बदल जाती है|

बेपरवाह सरकारी तंत्र,लापरवाह व्यवसायी और सोता आमजन

शहर में हर साल कई अग्निकांड होते है जिसमे व्यवसायियों कि लापरवाही और सरकारी तंत्र कि बेपरवाही साफ़ नजर आती है परन्तु इसके बावजूद हर साल अग्निकांड कि घटनाओं में इजाफा होता रहता है,जिसका एक और बड़ा कारण है वो है सोता हुआ आमजन|यदि आमजन अपनी जिम्मेदारी समझने लग जाए और प्रत्येक लापरवाही पर जिम्मेदार अफसरों को कानून के कटघरे में खड़ा करने लग जाए तो बहुत हद तक संभव है कि अफसरशाही जिम्मेदारी से अपना काम करने लग जाए और अव्यवस्थाओं में सुधार होने लगे|